



अभिव्यक्ति

राजभाषा विभाग,
दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे,
रायपुर मंडल
अंक : 21, मई 2023

मार्गदर्शक संजीव कुमार, मंडल रेल प्रबंधक	मुख्य संपादक लोकेश विश्नोई, अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी	संपादक निकेश कुमार पाण्डेय, राजभाषा अधिकारी	उप संपादक मनोज कुमार साहू वरिष्ठ अनुवादक
--	---	---	--

~ नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, रायपुर की बैठक संपन्न ~

दिनांक 18.05.2023 को श्री संजीव कुमार, मंडल रेल प्रबंधक एवं अध्यक्ष, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, रायपुर की अध्यक्षता में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, रायपुर की वर्ष 2023 की प्रथम छमाही बैठक भारतीय प्रबंध संस्थान, रायपुर के सभागार में आयोजित की गई।

सर्वप्रथम प्रोफेसर डॉ. राम कुमार कांकाणी, निदेशक, भारतीय प्रबंध संस्थान, रायपुर द्वारा मंडल रेल प्रबंधक एवं अध्यक्ष, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति,



रायपुर एवं अन्य गणमान्य अतिथियों का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। तत्पश्चात मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर एवं माँ सरस्वती की वंदना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर अतिथियों एवं उपस्थित सदस्यों को स्मृति चिह्न भी प्रदान किये गये।

स्वागत भाषण देते हुए भारतीय प्रबंध संस्थान के निदेशक प्रोफेसर डॉ. राम कुमार कांकाणी ने कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति

की वर्ष 2023 की प्रथम अर्धवार्षिक बैठक का आयोजन करने का सुअवसर हमें प्राप्त हुआ है। राजभाषा संबंधी इस अत्यंत महत्वपूर्ण बैठक का दायित्व प्रदान करने के लिए मैं अध्यक्ष, नराकास, रायपुर को धन्यवाद देता हूं तथा मुझे यह पूरा विश्वास है कि हम इस दायित्व का सफलतापूर्वक निर्वाह कर इस आयोजन को भव्य एवं यादगार बना पाएंगे। प्रबंधन की शिक्षा से संबंधित संस्थान होने के बावजूद राजभाषा हिंदी से संबंधित कार्यों के निष्पादन एवं प्रचार-प्रसार हेतु हम निरंतर प्रयासरत हैं।



अध्यक्ष, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, रायपुर एवं मंडल रेल प्रबंधक श्री संजीव कुमार ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि “ बैठक का आयोजन अध्यक्ष कार्यालय के अतिरिक्त अलग-अलग सदस्य कार्यालयों में किए जाने से सदस्य कार्यालयों में हिंदी के प्रति एक अनुकूल वातावरण बनता है, आपस में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा होती है और जहां स्वस्थ प्रतिस्पर्धा होती है वहां सकारात्मक परिणाम अवश्य प्राप्त होते हैं।” साथ ही उन्होंने इस बात पर बल दिया कि सभी सदस्य कार्यालय गृह मंत्रालय,



भारत सरकार द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम में दिए गए लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु हर संभव प्रयास करें। इस दिशा में कार्यालयाध्यक्षों की भूमिका काफी महत्वपूर्ण होती है। नराकास की छमाही बैठक में कार्यालय प्रमुखों की उपस्थिति अनिवार्य होती है। अतः अनुरोध है कि समिति के सभी सदस्य कार्यालयों के प्रमुख अनिवार्य रूप से बैठक में भाग लें।

उन्होंने आगे कार्यक्रम के आयोजन की काफी प्रशंसा करते हुए कहा कि छोटे कार्यालयों के लिए संयुक्त रूप से कार्यशाला एवं राजभाषा बैठक आयोजित किये जाएं ताकि विभिन्न स्तरों पर नराकास, रायपुर का प्रदर्शन उत्कृष्ट हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि आज अनेक प्रकार की तकनीकी सुविधाएं उपलब्ध हैं जिनका भरपूर इस्तेमाल किया जाए ताकि सदस्य कार्यालयों में हिंदी प्रयोग में उल्लेखनीय वृद्धि आसानी से हो सके।



श्री लोकेश विश्वोई, अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक (परिचालन) द्वारा नराकास की गतिविधियों का संक्षिप्त परिचय दिया गया। बैठक में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, रायपुर के सदस्य कार्यालयों की दिनांक 01.07.2022 से 31.12.2022 तक की अवधि की राजभाषा प्रगति की समीक्षा की गई तथा विभिन्न मदों पर सारगर्भित चर्चा की गई। जिन मदों पर कुछ कमियां पाई गईं उन्हें दूर करने करने का अनुरोध संबंधित कार्यालयों से किया गया।

वर्तमान में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, रायपुर के कुल 72 सदस्य कार्यालय हैं। बैठक में उक्त कार्यालयों एवं उपक्रमों के कार्यालय प्रमुख एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित हुए। बैठक का संचालन श्री निकेश कुमार पाण्डेय, सचिव, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, रायपुर एवं राजभाषा अधिकारी, द.पू.म.रेलवे, रायपुर ने किया। अंत में भारतीय प्रबंध संस्थान के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी कर्नल डॉ. हरीन्द्र त्रिपाठी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन तथा राष्ट्रगान के साथ बैठक समाप्त हुई।



■ रायपुर स्टेशन - आर.वी. एच. के बीच लाइन दोहरीकरण एवं यार्ड का आधुनिकीकरण ■

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर रेल मंडल में रायपुर - आर.वी.एच. के बीच दोहरीकरण तथा आर.वी. एच. एवं रायपुर स्टेशन यार्ड के आधुनिकीकरण के कार्य को सफलतापूर्वक किया गया। रायपुर रेल मंडल में रायपुर-आर.वी.एच. के मध्य ब्लॉक लेकर उक्त कार्य को दिनांक 04 -10 मई 2023 तक संपादित किया गया। इस आधुनिकीकरण कार्य के पूर्ण होने से रायपुर रेल मंडल के अधोसंरचना विकास संबंधी कार्य संपादित हुए। जिससे आगामी दिनों में यात्रियों को अनेक यात्री सुविधाओं का लाभ मिलेगा।

दिनांक 09 मई 2023 को रायपुर स्टेशन में 24 घंटे का सम्पूर्ण ब्लॉक लेकर रायपुर यार्ड का नवीनीकरण किया गया। रायपुर - आर.वी.एच. स्टेशन के बीच एकल लाइन का दोहरीकरण किया गया। दोहरीकरण किए जाने से रायपुर - टिटलागढ़ के मध्य अप एवं डाउन ट्रेनों का आवागमन साथ-साथ हो सकेगा। इसके साथ ही रायपुर स्टेशन में सन् 1998 से कार्यरत पैनल इंटरलॉकिंग (पैनल



चलित सिग्नलिंग) प्रणाली को बदलकर कर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग (कंप्यूटर चलित सिग्नलिंग) प्रणाली को संस्थापित किया गया। साथ ही रायपुर यार्ड में एक नयी लाइन क्रमांक 7 यात्रियों के लिए शुरू किया गया जिसके फलस्वरूप

रायपुर में ट्रेनों के लिए लाइनों की संख्या 6 से बढ़कर 7, सिग्नल की संख्या 20 से बढ़कर 28 किया, पॉइंट की संख्या 39 से बढ़कर 45, ट्रैक सर्किट की संख्या 54 से बढ़कर 65 हो गए। रायपुर स्टेशन पहले केवल 104 सिग्नलिंग रूट का स्टेशन था जिसे अब 197 सिग्नलिंग रूट का कर लिया गया है। इससे रायपुर स्टेशन में ट्रेनों के आवागमन एवं परिचालन में काफी सुधार होगा जिसका पूरा फायदा रेल यात्रियों को प्राप्त होगा।



रायपुर स्टेशन से अत्यंत सुचारू रूप से ट्रेनों के परिचालनों के लिए रायपुर यार्ड के आधुनिकीकरण कार्य के दौरान चार नग 1 इन 12 प्वाइंट्स एवं क्रॉसिंग, दो नग 1 इन 8.5 प्वाइंट्स एवं क्रॉसिंग एवं 5 नग डीलिटिंग स्विच लगाए गए ताकि ट्रेन के आवागमन में किसी तरह का व्यवधान न होने पाए तथा जो ट्रेनें आउटर में आकर खड़ी रहती थी उसका भी निराकरण स्वतः हो जाए ताकि यात्रियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो और वे समय पर अपने गंतव्य पर पहुंच सकें।

रायपुर - आर.वी.एच. के बीच दोहरीकरण तथा आर.वी. एच. एवं रायपुर स्टेशन यार्ड के आधुनिकीकरण के कार्य के दौरान लाइन नंबर 7 के 1.06 RKM विद्युतीकरण भी संपन्न किया गया। रायपुर स्टेशन से लखौली तक 31.34 किलोमीटर लाइन का विद्युतीकरण सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। इसके फलस्वरूप सभी दिशाओं से विद्युत लोकोमोटिव का संचालन संभव हो गया है।

उक्त कार्यों के दौरान यात्रियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए उरकुरा स्टेशन पर अस्थायीशेड, ठंडे पानी हेतु वाटर कूलर, उरकुरा स्टेशन से रायपुर स्टेशन के लिए 30 नग बसों की व्यवस्था की गई। साथ ही यात्रियों को सही मार्गदर्शन देने हेतु हेल्प बूथ लगाए गए और बड़ी संख्या में रेल कर्मचारियों की तैनाती की गई। यात्रियों के लिए व्हील चेयर सहित चिकित्सा सुविधा की भी व्यवस्था की गई और इस तरह उक्त ब्लॉक के दौरान रायपुर स्टेशन से 15,000 एवं उरकुरा स्टेशन से 25,000 रेल यात्रियों का सफलतापूर्वक मूवमेंट कराया गया। इस दौरान 52 यात्री ट्रेनों के मूवमेंट किए जाने के साथ-साथ गुड्स ट्रेनों का भी सफलतापूर्वक परिचालन किया गया।

यार्ड के आधुनिकीकरण का कार्य रायपुर मंडल एवं आर.वी.एन.एल द्वारा संयुक्त समन्वय के साथ निष्पादित किया गया। दोहरीकरण के कार्य को आर.वी.एन.एल. द्वारा एवं यार्ड री-मॉडलिंग का कार्य विभिन्न एजेंसियों की सहायता से किया गया। इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास तथा गाड़ियों के परिचालन का निरीक्षण आयुक्त, रेलवे सेफ्टी श्री ए. एम. चौधरी द्वारा किया गया।

इस आधुनिकीकरण कार्य के दौरान रायपुर रेल मंडल के अधिकारियों की समर्पित टीम एक सप्ताह तक दिन- रात काम करती रही। रायपुर रेल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री संजीव कुमार ब्लॉक के दौरान रायपुर एवं उरकुरा स्टेशनों पर स्वयं उपस्थित रह कर कार्यों का जायजा लेते रहे। इसके साथ ही यात्रियों को किसी भी कठिनाइयों का सामना न करना पड़े एवं यात्रियों का मूवमेंट सफलतापूर्वक कराया जा सके इसीलिए उरकुरा स्टेशन पर अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री लोकेश विश्वाई, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक डॉ. विपिन वैष्णव, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक श्री पुलकित सिंघल उपस्थित रहे। गुरुद्वारा कमेटी /उरकुरा द्वारा उरकुरा रेलवे स्टेशन पर लंगर चलाकर यात्रियों की सहायता की गई।

आर.वी.एच. एवं रायपुर स्टेशन यार्ड के आधुनिकीकरण कार्य के फलस्वरूप निम्नलिखित यात्री सुविधा संबंधी का लाभ यात्रियों को मिलेगा :-

- (1) रायपुर स्टेशन पर यात्रियों को प्लेटफार्म नंबर 7 का फायदा मिलेगा क्योंकि गाड़ियों का प्लेटफार्म नंबर 7 पर भी आगमन-प्रस्थान कराया जा सकेगा।
- (2) रायपुर स्टेशन पर प्रवेश के लिए वर्तमान में प्लेटफार्म नं. 1 की ओर बने मुख्य प्रवेश द्वार एवं गुडियारी साइड से प्रवेश की सुविधा उपलब्ध है। अभी गुडियारी साइड से प्रवेश करने वालों को फुट ओवर ब्रिज एवं एक्सलेटर के माध्यम से रायपुर स्टेशन पर आना-जाना पड़ता है, परंतु प्लेटफार्म नंबर 7 के बन जाने से गुडियारी की ओर से आने-जाने वाले यात्रियों को सीधे प्लेटफार्म नंबर 7 में प्रवेश एवं निकास कराया जा सकेगा। गुडियारी साइड से प्रवेश करने के लिए उन्हें फुट ओवर ब्रिज एवं एक्सलेटर को उपयोग करने की बाध्यता समाप्त हो जाएगी।
- (3) रायपुर स्टेशन पर दुर्ग छोर की तरफ बन रहे नवनिर्मित फुट ओवर ब्रिज का कार्य पूर्ण होगा और इसे उपयोग में लाया जा सकेगा जिससे यात्री नवनिर्मित फुट ओवर ब्रिज के माध्यम से रायपुर स्टेशन में प्रवेश कर सकेंगे, साथ ही सभी प्लेटफार्मों पर भी आ- जा सकेंगे। नवनिर्मित फुट ओवर ब्रिज के शुरू होने के साथ ही यात्रियों को पहली बार स्टेशन पर एक प्लेटफार्म से दूसरे प्लेटफार्म में आवागमन के लिए रैम्प की सुविधा प्राप्त होगी।
- (4) रायपुर से टिटलागढ़ के मध्य दोहरीकरण का कार्य पूर्ण हो जाने से इस सेक्शन में ट्रेनों के परिचालन में सहायता मिलेगी, जिससे गाड़ी परिचालन की क्षमता बढ़ेगी और इसका लाभ यात्रियों को प्राप्त होगा।

मंडल रेल प्रबंधक द्वारा मेमू कार शेड, भिलाई में प्रथम श्री फेज प्रणाली मेमू रेक का निरीक्षण

दिनांक 17 मई 2023 को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर के मंडल रेल प्रबंधक श्री संजीव कुमार द्वारा मेमू कार शेड, भिलाई में प्रथम श्री फेज प्रणाली मेमू रेक का निरीक्षण किया गया। इस मेमू रेक को गाड़ी परिचालन में अतिशीघ्र शामिल किया जाएगा जिससे आम जनता को यात्रा के दौरान काफी सुविधा होगी। यह मेमू रेक आधुनिक एवं सर्व सुविधा युक्त है जिसमें पब्लिक अनाउंसमेंट एवं डिस्प्ले सिस्टम, मोबाइल चार्जिंग प्वाइंट एवं सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं, जिससे यात्रा के दौरान यात्रियों को सुरक्षा एवं अन्य सुविधाओं का लाभ मिलेगा। सभी कोच में बायो टॉयलेट की व्यवस्था होने से लंबी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों को काफी सहूलियत होगी। इसकी नई तकनीक के द्वारा गति वृद्धि एवं ब्रेकिंग सरलता से की जा सकेगी। इस रेक में रिजेनेरेटिव ब्रेकिंग के होने से यह ऊर्जा संरक्षण में काफी उपयोगी साबित होगी। उक्त निरीक्षण के दौरान मंडल रेल प्रबंधक श्री संजीव कुमार, मुख्य विद्युत इंजीनियर (आर एस एंड जी) श्री आर. के. साहू, वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर, विद्युत लोको शेड, भिलाई श्री शशांक कोष्टा एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।



* आतंकवाद विरोधी दिवस पर रायपुर मंडल में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने ली शपथ *

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर मंडल में आतंकवाद विरोध की शपथ दिलायी गयी। इस अवसर पर श्री संजीव कुमार, मंडल रेल प्रबंधक द्वारा दिनांक 21.05.2023 को 16.00 बजे मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय के प्रांगण में आयोजित एक सादे समारोह में सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को आतंकवाद एवं हिंसा विरोधी शपथ दिलायी गयी। उन्होंने कहा की हम भारतवासी, अपने देश की अहिंसा एवं सहनशीलता की परम्परा में दृढ़ विश्वास रखते हैं तथा निष्ठापूर्वक शपथ लेते हैं कि हम सभी प्रकार के आतंकवाद और हिंसा का डटकर विरोध करेंगे। हम मानव जाति के सभी वर्गों के बीच शांति, सामाजिक सद्भाव तथा सूझबूझ कायम करने और मानव जीवन मूल्यों को खतरा पहुंचाने वाली और विघटनकारी शक्तियों से लड़ने की भी शपथ लेते हैं।



राजभाषा कार्यान्वयन समितियां

भारत सरकार के सभी कार्यालयों, उपक्रमों, बैंकों आदि में राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन को सुचारू, सुनियोजित और प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए विभिन्न स्तरों पर राजभाषा समितियों का गठन किया गया है।

केंद्रीय हिंदी समिति

प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में गठित होती है। संसदीय राजभाषा समिति के उपाध्यक्ष और इसकी तीनों उप-समितियों के संयोजक, कुल मिलाकर चार व्यक्ति इस समिति के पदेन सदस्य होते हैं। इसके अलावा छः मंत्रालयों- विदेश मंत्रालय, मानव संसाधन मंत्रालय, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, रेलवे मंत्रालय, सूचना प्रसारण मंत्रालय तथा कार्मिक, जन शिकायत और पेंशन विभाग के मंत्री तथा देश भर से 21 प्रख्यात विद्वान और साहित्यकार व केंद्रीय गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग के सचिव भी इसके सदस्य होते हैं।

केंद्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति

केंद्र सरकार के मंत्रालयों / विभागों में विभिन्न संवैधानिक प्रावधानों, नियमों आदि के आलोक में महामहिम राष्ट्रपति के आदेशों के अनुसार सरकारी प्रयोजनों के लिए हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग प्रसार के लिए सचिव, राजभाषा विभाग की अध्यक्षता में केन्द्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति गठित है। मंत्रालयों/विभागों में राजभाषा हिंदी का कार्य देख रहे प्रभारी अधिकारी (संयुक्त सचिव स्तर) समिति के पदेन सदस्य होते हैं। इस समिति की बैठक का आयोजन प्रतिवर्ष किया जाता है।

हिंदी सलाहकार समिति

सभी मंत्रालयों में भारत सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन को सुचारू रूप से लागू कराने एवं उस पर निगरानी रखने के लिए संबंधित मंत्रालय के केबिनेट / राज्य मंत्री की अध्यक्षता में एक सलाहकार समिति गठित है, जिनकी वर्ष में कम से कम दो बैठकें होनी आवश्यक है।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति

केन्द्र सरकार के देश भर में फैले कार्यालयों / उपक्रमों / बैंकों आदि में राजभाषा के प्रयोग को बढ़ावा देने और भारत सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन में आ रही कठिनाइयों को दूर करने के लिए केन्द्र सरकार के 10 या 10 से अधिक कार्यालयों वाले नगर विशेष में स्थित केन्द्रीय सरकार के कार्यालयों / उपक्रमों / बैंकों आदि के वरिष्ठतम अधिकारियों में से एक अधिकारी की अध्यक्षता में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति गठित की जाती है। इस समिति की वर्ष में 2 बैठकें आयोजित करना आवश्यक है।

रेलवे पर गठित राजभाषा कार्यान्वयन समितियां

रेलवे हिंदी सलाहकार समिति

रेल मंत्री जी की अध्यक्षता में रेलवे हिंदी सलाहकार समिति का गठन किया जाता है जिसकी वर्ष में दो बैठकें अपेक्षित हैं। इसके अलावा निम्नलिखित स्तर पर समितियां गठित हैं :-

रेलवे बोर्ड राजभाषा कार्यान्वयन समिति

रेल मंत्रालय, रेलवे बोर्ड में राजभाषा हिंदी के प्रयोग-प्रसार की समीक्षा करने के लिए अध्यक्ष, रेलवे बोर्ड की अध्यक्षता में रेलवे बोर्ड राजभाषा कार्यान्वयन समिति गठित है। इस समिति का प्रमुख उद्देश्य रेलवे बोर्ड कार्यालय में राजभाषा से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों जैसे राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) का अनुपालन, हिंदी में पत्राचार, हिंदी में टिप्पणी, वेबसाइट, जांचस्थल की सक्रियता आदि के संबंध में विचार-विमर्श करना है। इस समिति की हर तिमाही में एक अर्थात् वर्ष में चार बैठकें आयोजित की जाती हैं।

क्षेत्रीय रेलवे राजभाषा कार्यान्वयन समिति

क्षेत्रीय रेलों में राजभाषा हिंदी के प्रयोग-प्रसार की समीक्षा करने के लिए महाप्रबंधक की अध्यक्षता में क्षेत्रीय रेलवे राजभाषा कार्यान्वयन समिति गठित है। सभी प्रमुख विभागाध्यक्ष, मंडलों के अपर मंडल रेल प्रबंधक, मुख्य कारखाना प्रबंधक, संबंधित क्षेत्र में आने वाले रेलवे भर्ती बोर्ड के अध्यक्ष, रेल दावा अधिकरण के अपर निबंधक इस समिति के सदस्य होते हैं। इसकी हर तिमाही में एक अर्थात् वर्ष में चार बैठकें आयोजित की जाती हैं।

मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति

मंडल रेलों पर राजभाषा हिंदी के प्रयोग-प्रसार की समीक्षा करने के लिए मंडल रेल प्रबंधक की अध्यक्षता में मंडल रेलवे राजभाषा कार्यान्वयन समिति गठित है। सभी शाखा अधिकारी इसके सदस्य होते हैं। इस समिति की हर तिमाही में एक अर्थात् वर्ष में चार बैठकें आयोजित की जाती हैं।

कारखाना राजभाषा कार्यान्वयन समिति

कारखानों या उत्पादन इकाइयों या अन्य इकाइयों में संबंधित सर्वोच्च अधिकारी की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वयन समितियां गठित है। इन समितियों की भी हर तिमाही में एक अर्थात् वर्ष में चार बैठकें आयोजित की जाती है।

स्टेशन राजभाषा कार्यान्वयन समिति

बड़े रेलवे स्टेशनों पर संबंधित स्टेशन निदेशक / अधीक्षक की अध्यक्षता में स्टेशन राजभाषा कार्यान्वयन समितियां गठित हैं। इन समितियों में स्टेशन परिसर में स्थित सभी कार्यालय / यूनिट के प्रभारी या पर्यवेक्षक इनके सदस्य होते हैं। इन समितियों की भी हर तिमाही में एक अर्थात् वर्ष में चार बैठकें आयोजित की जाती हैं।

भाटापारा रेलवे स्टेशन पर नए एस्केलेटर एवं कोच गाइडेंस डिस्प्ले बोर्ड का लोकार्पण

रेलवे प्रशासन द्वारा लगातार स्टेशनों एवं गाड़ियों में यात्री सुविधाओं का क्रमिक विकास एवं उपलब्ध सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। इसी संदर्भ में भाटापारा रेलवे स्टेशन पर आम जन को नए एस्केलेटर एवं कोच गाइडेंस डिस्प्ले बोर्ड की सुविधा उपलब्ध कराई गई, जिसका लोकार्पण माननीय सांसद श्री सुनील कुमार सोनी जी के कर कमलों द्वारा किया गया। इस समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में माननीय विधायक, भाटापारा, श्री शिवरतन शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस लोकार्पण समारोह में जनप्रतिनिधियों के अलावा अपर मंडल रेल प्रबंधक (परिचालन) श्री लोकेश विश्रोई, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक डॉ. विपीन वैष्णव सहित मंडल के अधिकारीगण एवं NRUCC के सदस्य श्री नारायण भूषनिया जी, DRUCC के सदस्य एवं कर्मचारीगण तथा भाटापारा क्षेत्र के नागरिकगण उपस्थित थे। इस नए एस्केलेटर की उपलब्धता से स्टेशनों के यात्रियों को प्लेटफार्म में सुरक्षित एवं आरामदायक आवागमन की सुविधा



मिलेगी। भाटापारा रेलवे स्टेशन पर कोच गाइडेंस डिस्प्ले बोर्ड की उपलब्धता से यहाँ के यात्रियों को प्लेटफार्म में गाड़ियों के कोच के आने की सही स्थिति की जानकारी मिलने लगेगी, जिससे यात्रियों को गाड़ियों के आरक्षित / अनारक्षित कोचों में आसानी से प्रवेश करने में सुविधा होगी। भाटापारा रेलवे स्टेशन को अमृत भारत के तहत विकसित किया जाएगा जिसके फलस्वरूप स्टेशन पर यात्री सुविधाओं में बढ़ोतरी की जाएगी। कार्यक्रम के अंत में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक डॉ. विपीन वैष्णव द्वारा सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया गया।

एक गांव के पास एक खेत में सारस पक्षी का एक जोड़ा रहता था। वहीं उन्होंने अंडे दिए थे और समय पर उनसे बच्चे निकले। लेकिन बच्चों के बड़े होकर उड़ने योग्य होने से पहले ही खेत की फसल पक गयी। सारस बड़ी चिंता में पड़े किसान खेत काटने आवे, इससे पहले ही बच्चों के साथ उसे वहां से चले जाना चाहिए और बच्चे उड़ सकते नहीं थे। सारस ने बच्चों से कहा - “ हमारे न रहने पर यदि कोई खेत में आवे तो उसकी बात सुनकर याद रखना।”

एक दिन जब सारस चारा लेकर शाम को बच्चों के पास लौटा तो बच्चों ने कहा - “ आज किसान आया था। वह खेत के चारों ओर घूमता रहा एक दो स्थानों पर खड़े होकर देर तक खेत को घूरता था। वह कहता था कि खेत अब काटने के योग्य हो गया है। आज चलकर गांव के लोगों से कहूंगा कि वह मेरा खेत कटवा दें।”



सारस ने कहा - “ तुम लोग डरो मत! खेत अभी नहीं कटेगा, अभी खेत कटने में देर है।”

कई दिन बाद जब एक दिन सारस शाम को बच्चों के पास आए तो बच्चे बहुत घबराए थे- “ वे कहने लगे। अब हम लोगों को यह खेत झटपट छोड़ देना चाहिए। आज किसान फिर आया था, वह कहता था कि गांव के लोग बड़े स्वार्थी हैं। वह मेरा खेत कटवाने का कोई प्रबंध नहीं करते। कल मैं अपने भाइयों को भेजकर खेत कटवा लूंगा।

सारस बच्चों के पास निश्चित होकर बैठा और बोला - “ अभी तो खेत कटता नहीं दो-चार दिन में तुम लोग ठीक-ठीक उड़ने लगोगे अभी डरने की आवश्यकता नहीं है।”

कई दिन और बीत गए सारस के बच्चे उड़ने लगे थे और निर्भय हो गए थे। एक दिन शाम को सारस से वे कहने लगे - “ यह किसान हम लोगों को झूठ-मूठ डराता है। इसका खेत तो कटेगा नहीं, वह आज भी आया था और कहता था कि मेरे भाई मेरी बात नहीं सुनते सब बहाना करते हैं। मेरी फसल का अन्न सुखकर झर रहा है। कल बड़े सवेरे में आऊंगा और खेत काट लूंगा।

सारस घबराकर बोला - “ चलो जल्दी करो ! अभी अंधेरा नहीं हुआ है। दूसरे स्थान पर उड़ चलो। कल खेत अवश्य कट जाएगा।

बच्चे बोले - “ क्यों ? इस बार खेत कट जाएगा यह कैसे ?”

सारस ने कहा - “ किसान जब तक गांव वालों और भाइयों के भरोसे था, खेत के कटने की आशा नहीं थी। जो दूसरों के भरोसे कोई काम छोड़ता है, उसका काम नहीं होता। लेकिन जो स्वयं काम करने को तैयार होता है, उसका काम रुका नहीं रहता। किसान जब स्वयं कल खेत काटने वाला है, तब तो खेत कटेगा ही।”

अपने बच्चों के साथ सारस उसी समय वहां से उड़कर दूसरे स्थान पर चले गए।”

मित्रों “ जो दूसरों के भरोसे कोई काम छोड़ता है। उसका काम नहीं होता, लेकिन जो स्वयं काम करने को तैयार होता है, उसका काम रुका नहीं रहता।”

संकलनकर्ता - लोकेश विश्नोई

अपर मंडल रेल प्रबंधक (परिचालन)

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर

माह के साहित्यकार - डॉ. पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी

जन्म : 27 मई 1894

निधन : 18 दिसंबर 1971

जन्म स्थान : खैरागढ़, राजनांदगांव (छत्तीसगढ़)

उपनाम : मास्टरजी

प्रमुख कृतियाँ : प्रबंध पारिजात, 'पंचपात्र', 'पदमवन', 'मकरंद बिंदु', 'कुछ बिखरे पत्रे', 'झलमला', 'अंजलि', 'विश्व साहित्य', 'हिंदी साहित्य विमर्श', 'साहित्य शिक्षा', 'हिंदी उपन्यास साहित्य', 'हिंदी कहानी साहित्य', 'प्रायश्चित', 'उन्मुक्ति का बंधन', 'सतदल', 'अश्रु दल' आदि।

विविध : साहित्य वाचस्पति (1949), डी-लिट (1969)



क्या लिखूँ? निबंध के कुछ अंश

मुझे आज लिखना ही पड़ेगा। अंग्रेजी के प्रसिद्ध निबन्ध लेखक ए. जी. गार्डिनर का कथन है कि लिखने की एक विशेष मानसिक स्थिति होती है। उस समय मन में कुछ ऐसी उमंग-सी उठती है, हृदय में कुछ ऐसी स्फूर्ति सी आती है, मस्तिष्क में कुछ ऐसा आवेग-सा उत्पन्न होता है कि लेख लिखना ही पड़ता है। उस समय विषय की चिन्ता नहीं रहती। कोई भी विषय हो, उसमें हम अपने हृदय के आवेग को भर ही देते हैं। हैट टाँगने के लिए कोई भी खूटी काम दे सकती है। उसी तरह अपने मनोभावों को व्यक्त करने के लिए कोई भी विषय उपयुक्त है। असली वस्तु है हैट, खूटी नहीं। इसी तरह मन के भाव ही तो यथार्थ वस्तु हैं, विषय नहीं।

गार्डिनर साहब के इस कथन की यथार्थता में मुझे सन्देह नहीं, पर मेरे लिए कठिनता यह है कि मैंने उस मानसिक स्थिति का अनुभव ही नहीं किया है, जिसमें भाव अपने-आप उत्थित हो जाते हैं। मुझे तो सोचना पड़ता है, चिन्ता करनी पड़ती है, परिश्रम करना पड़ता है, तब कहीं मैं एक निबन्ध लिख सकता हूँ। आज तो मुझे विशेष परिश्रम करना पड़ेगा क्योंकि मुझे कोई साधारण निबन्ध नहीं लिखना है। आज मुझे नमिता और अमिता के लिए आदर्श निबन्ध लिखना होगा। नमिता का आदेश है कि मैं 'दूर के ढोल सुहावने होते हैं' विषय पर लिखूँ। अमिता का आग्रह है कि मैं समाज सुधार पर लिखूँ, ये दोनों ही विषय परीक्षा में आ चुके हैं और उन दोनों पर आदर्श निबन्ध लिखकर मुझे उन दोनों को निबन्ध-रचना का रहस्य समझाना पड़ेगा।

दूर के ढोल सुहावने अवश्य होते हैं पर क्या वे इतने सुहावने होते हैं कि उन पर पाँच पेज लिखे जा सकें? इसी प्रकार समाज-सुधार की चर्चा अनादि काल से लेकर आज तक होती आ रही है और जिसके सम्बन्ध में बड़े-बड़े विज्ञों में भी विरोध है, उसको मैं पाँच पेज में कैसे लिख दूँ? मैंने सोचा कि सबसे पहले निबन्धशास्त्र के आचार्यों की सम्मति जान लें। पहले यह तो समझ लूँ कि आदर्श निबन्ध है क्या और वह कैसे लिखा जाता है, तब फिर मैं भविष्य की चिन्ता करूँगा। इसलिए मैंने निबन्धशास्त्र के कई आचार्यों की रचनाएँ देखीं।

- डॉ. पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी



पर्यावरण दिवस पर विशेष



साँस-साँस हो रही प्रदूषित

साँस-साँस हो रही प्रदूषित, कैसे गीत सुनाएँ हम
राह कठिन है चलना दूभर, कैसे रीत निभाएँ हम ।

खामोशी है चीखें भरती, दर्द दिलों में पलता है
दावानल-सा भभके धरणी, जर्ज-जर्ज जलता है
सोंधी माटी धूसर होती, उर्वर होती जाए कम
राह कठिन है चलना दूभर, कैसे रीत निभाएँ हम ।

महज प्रलापी होता जीवन, उन्नति का कर अवगाहन
दूर प्रकृति से होकर देखो, बना मनुज हिय अब पाहन
नदी-सरोवर-कूप सूखते, पानी संकट जाए थम
राह कठिन है चलना दूभर, कैसे रीत निभाएँ हम ।

पर्यावरण बिगड़ता है अब, झँझाओं के जाल तने
गाँव-शहर में धूम मचाते, जीव-जंतु हैं काल बने
महाप्रलय का नाद गूँजता, अगम हुआ जाए जीवन
राह कठिन है चलना दूभर, कैसे रीत निभाएँ हम ।

जागो-जागो मानव अब तो, खड़ा आसन्न संकट है
वक्त हाथ से फिसला जाए, पथ करना निष्कंटक है
शुद्ध रहे धरती का दामन, पर्यावरण करें उत्तम
राह कठिन है चलना दूभर, कैसे रीत निभाएँ हम ।

शुष्क धरा खामोश गगन है

शुष्क धरा खामोश गगन है, प्रकृति हँसाए कौन
मनुज स्वार्थ उतरा गहरा है, धरा बचाए कौन ।

लिए कटारी घात कर रहे, सारे विटप अपंग
ठूठ हुए सब गाछें विचलित, उपवन सारे तंग
व्यथित हृदय है विषम यातना, सहे पीर ये मौन
मनुज स्वार्थ उतरा गहरा है, धरा बचाए कौन ।

पर्यावरण हुआ बेरंगी, रंघित है ओजोन
निज पग को ही काट रहे है, समझाए अब कौन
नवरत सारे रूप बदलकर, धूमिल होते धौन
मनुज स्वार्थ उतरा गहरा है, धरा बचाए कौन ।

भू आंदोलन करती है अब, नित्य बाढ़-भूडोल
चेत चेत रे अब तो मानव, देखो आँखे खोल
जीवन होता है अब मुश्किल, होता मानव बौन
मनुज स्वार्थ उतरा गहरा है, धरा बचाए कौन ।

जब-जब आक्रांत हुई अचला, विप्लव होता खूब
लुप्त सृष्टि हो जाती सारी, जगती जाती डूब
प्रमुख यही है जीवनदायी, कभी नहीं ये गौण
मनुज स्वार्थ उतरा गहरा है, धरा बचाए कौन ।

- सुधा शर्मा
वरिष्ठ कवयित्री, राजिम

पाठकों की प्रतिक्रियाएं सादर आमंत्रित हैं । कृपया अपने सुझाव व्हाट्सएप्प नंबर 9752877615 अथवा ई-मेल rbarsecr2006@gmail.com पर प्रेषित करें ताकि हम इसे और बेहतर बना सकें । यह ई-पत्रिका द.पू.म.रेलवे की वेबसाइट पर भी उपलब्ध है ।

मंडल की गतिविधियां संबंधी विवरण एवं फोटोग्राफ्स जनसंपर्क अनुभाग, रायपुर से साभार ।